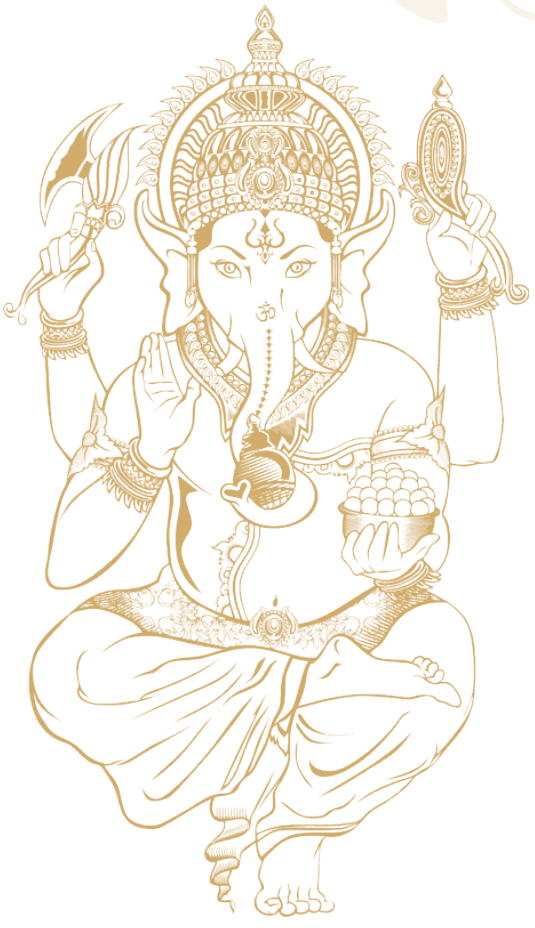

Mr.ashutosh

Ms. Abhilasha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120479702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1993	जन्म तिथि	26/08/1997
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 19:55:00	जन्म समय	12:51:00 घंटे
घटी 35:22:58	जन्म समय(घटी)	18:07:58 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Varanasi
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:48	सूर्योदय	05:36:08
18:00:15	सूर्यास्त	18:23:01
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:25

विंशोत्तरी राहु 17वर्ष 7मा 9दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 6वर्ष 7मा 26दि
गुरु	11:57:44	मेष	लग्न	वृश्चि	14:50:58	गुरु
29/04/2011	01:54:34	कन्या	सूर्य	सिंह	09:16:18	22/04/2022
29/04/2027	06:57:25	तुला	चंद्र	वृष	23:59:27	22/04/2038
गुरु 16/06/2013	00:32:07	तुला	मंगल	तुला	13:39:32	गुरु 09/06/2024
शनि 28/12/2015	17:53:31	कन्या	बुध व	सिंह	19:02:18	शनि 22/12/2026
बुध 04/04/2018	24:53:48	कन्या	गुरु व	मक	21:03:55	बुध 29/03/2029
केतु 11/03/2019	02:34:51	सिंह	शुक्र	कन्या	16:29:10	केतु 04/03/2030
शुक्र 09/11/2021	01:06:36	कुंभ व	शनि व	मीन	26:01:34	शुक्र 02/11/2032
सूर्य 28/08/2022	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	सिंह	26:02:46	सूर्य 22/08/2033
चन्द्र 28/12/2023	11:48:51	वृष व	केतु व	कुंभ	26:02:46	चन्द्र 22/12/2034
मंगल 03/12/2024	24:29:15	धनु व	हर्ष व	मक	11:49:48	मंगल 28/11/2035
राहु 29/04/2027	24:38:21	धनु व	नेप व	मक	03:50:46	राहु 22/04/2038
	29:33:10	तुला	प्लूटो	वृश्चि	09:03:02	

लग्न-चलित

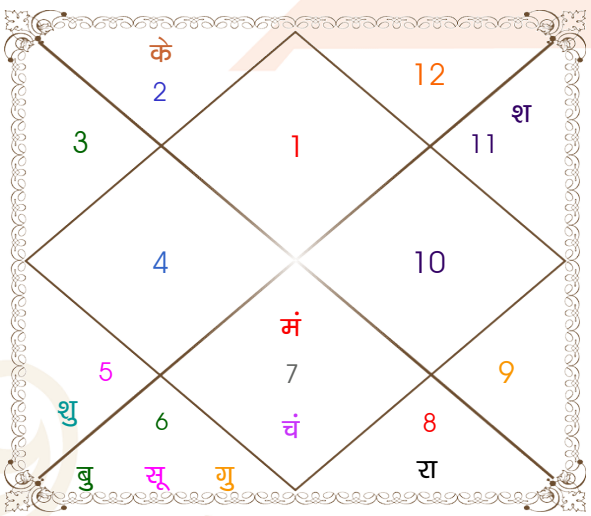

लग्न-चलित

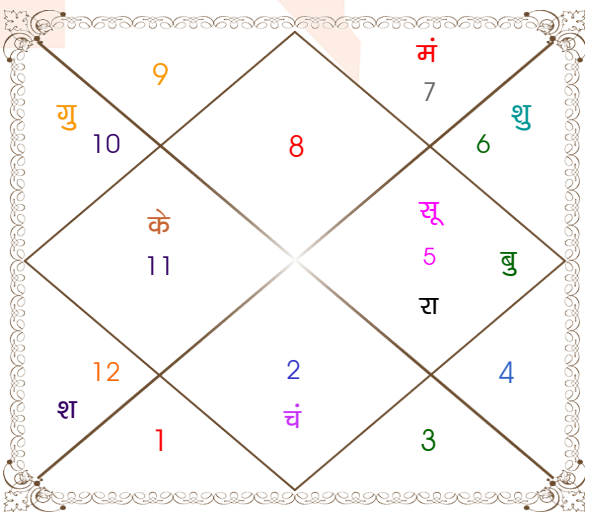

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.ashutosh का वर्ग मृग है तथा डेण ।ईपर्सी का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.ashutosh और डेण ।ईपर्सी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.ashutosh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.ashutosh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण ।ईपर्सी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण ।ड्डीपर्सी कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.ashutosh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.ashutosh तथा डेण ।ड्डीपर्सी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।